

Q 177 - ~~अनुसंधान~~ आणवै एकत्रित करने की विधियाँ
176 Methods ^{of} Data Collection

Methods of Data Collection

Ans:- अनुसंधान में प्रकृत संग्रह अथवा आणवै एकत्रित करने
एक महत्वपूर्ण तकनीक है इसकी प्रमुख विधियाँ हैं-

- ① प्रक्षेप (गिरीक्षण) Observation.
- ② साक्षात्कार (अंतर्विद्या) Interview.
- ③ प्रश्नावली (Questionnaire)
- ④ अनुसूची (अंतर्विद्या अनुसूची) (Interview-schedule)
- ⑤ परीक्षण (Tests)
- ⑥ मापनीया (Scales) या रेटिंग स्केल (Rating scale)
- ⑦ प्राप्ति पत्र (Score card)

① प्रक्षेप (Observation) प्रकृत रूप से किया गया
गिरीक्षण है। गिरीक्षण (प्रक्षेप) के अंतर्गत हैं:-
(क) प्रयोगशाला प्रक्षेप (Laboratory observation)
(ख) क्षेत्रीय प्रक्षेप (Field observation)
(ग) नियंत्रित प्रक्षेप (Controlled observation)

आवश्यकता-नुसार अनुसंधान में प्रक्षेप किया
जाता है जो सब इसकी सबसे सरल विधि है।

② साक्षात्कार (Interview):- प्राथमिक प्रकृत (Primary
data) के रूप में आगने-सामने की स्थिति में सूचना प्राप्त
करने का सबसे प्रचलित तथा उपयोगी उपकरण साक्षात्कार
है। इसके द्वारा समस्त सूचनादाताओं से व्यक्तिगत या
द्वारे सामूहिकों में स्वयं मिलकर, शोध-विषय की संबंधित
तथ्यों एवं सूचनाओं को संग्रहित किया जाता है। संघट्ट संज्ञानात्मक

2

धनियों की ही, जिन्हें शोध-संबंधी आवश्यकताओं के अनुरूप पर्याप्त जानकारी रहती है, आंतरवार्ता की जाती है। इसके लिए पूर्वलिखित 'सर्वेक्षण निर्देशिका (Interview Guide)' की कड़ी-कड़ी सहायता ली जाती है। आंतरवार्ता निर्देशिका किसी अनुसूची के आधार पर भी की जाती है। जब सर्वेक्षण किसी अनुसूची के साथ की जाती है तो इस उपकरण को सर्वेक्षण-अनुसूची (Interview schedule) कहते हैं।

③ प्रश्नावली (Questionnaire) :-

अनुसंधान क्षेत्र के आते विस्तृत क्षेत्र पर एक शोधकर्ता के लिए जब प्रत्यक्षतः अपने सभी सूचनादाताओं का निरीक्षण करना या उनमें सीधे संबंध स्थापित कर सूचना-संग्रह करना संभव नहीं होता, तो प्रश्नावली एक शोध-उपकरण (research tool) के रूप में व्यवहृत होती है। उन्हें डाक द्वारा भी सूचनादाताओं को भेजकर जवाबी सूचना प्राप्त किये जाते हैं। तब उन्हें 'डाक प्रश्नावली' (Mail questionnaire) कहते हैं। इस प्रकार दूर-दूर तक फैले हुए धनियों से भी, बिना प्रत्यक्ष संबंध स्थापित किए हुए महत्वपूर्ण सूचनाएँ प्रदत्त के रूप में संगृहीत कर ली जाती हैं। इसके लिए प्रत्येक सूचनादाता के पास जाने तथा उनसे सूचना भरवाने की आवश्यकता नहीं होती।

④ अनुसूची (Schedule) :-

अनुसूची भी मूलतः प्रश्नावली ही होती है, पर इसके लिए प्रत्येक सूचनादाता के पास जाकर उससे प्रत्यक्ष संबंध स्थापित कर शोधकर्ता या परिणामक को, सभी प्रश्नों को पूछ-पूछकर उत्तर लिखना पड़ता है या सारणियों में प्राप्त सूचना भरनी होती है, या सूचनादाता से ही प्रत्यक्ष रूप से सूचनाओं को भरवाना पड़ता है। अतः अत्यंत विस्तृत क्षेत्र पर, इस उपकरण द्वारा सूचना-संग्रह करना कठिन हो जाता है, पर अपेक्षाकृत छोटे अध्ययन-क्षेत्र के लिए यह उपकरण बहुत उपयोगी होता है। अनुसूची की प्रश्नावली ही है क्योंकि इसमें भी बहुत से प्रश्न रहते हैं। इसका प्रयोजन या आवेदन (Application) इस प्रकार है।

(5) परीक्षण (Tests) :-

परीक्षण, मापन की एक क्रमबद्ध प्रणाली है, जिसमें परीक्षित (Testee) के समस्त पूर्व निर्मित प्रश्नों को उद्दीपन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिस पर वह अपना प्रत्युत्तर व्यक्त करता है। प्रत्युत्तरों के लिए जो अंक (numericals) या प्राप्तांक (scores) दिए जाते हैं। अंत में, इन्हीं प्राप्तांकों के अनुसार, यह अनुमान लगाया जाता है कि परीक्षित में वह गुण-विशेषता किस मात्रा में है, जिसके मापन के लिए उसका परीक्षण किया गया है।

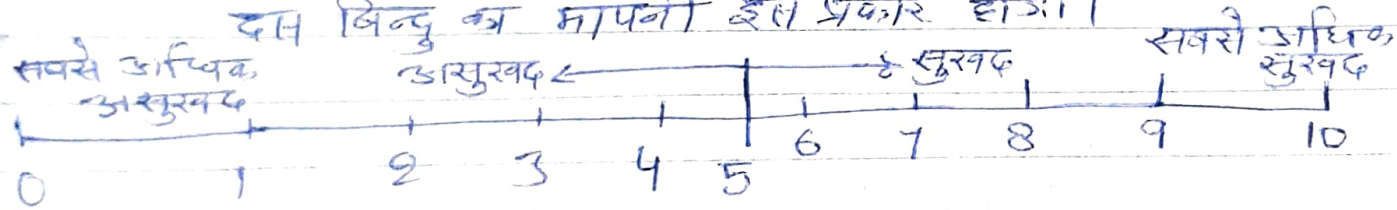
अतः परीक्षण के द्वारा व्यक्तित्व के विविध विशेषताओं का माप किया जाता है। कुछ प्रमुख मनोवैज्ञानिक परीक्षण हैं :-

- (1) बुद्धि परीक्षण (Intelligence test)
- (2) योग्यता परीक्षण (Ability tests) जैसे -
 - (a) शारीरिक परीक्षण (mechanical ^{ability} test)
 - (b) गणितीय योग्यता परीक्षण (mathematical ability test)
 - (c) क्लर्कीय योग्यता परीक्षण (clerical ability test)
 - (d) अभियंता योग्यता परीक्षण (Engineering ^{ability} test)
- (3) व्यक्तित्व परीक्षण जैसे - ^{WATS} ~~WAIS~~ ^{विने} ~~विने~~
 स्टैण्डर्ड्स (Stanford-Binet Intelligence ^{विने} test) ^{अर्थ}
- (4) प्रक्षेपण परीक्षण (Projective tests of Personality) जैसे - रोश्चाक टेस्ट (Rorschach Test); TAT परीक्षण आदि।

4

⑥ मापनियाँ (Scales): -

मापनी (Scale) या निर्धारित मापनी (Rating Scales) एक ऐसा मनोवैज्ञानिक गंठ है जिसके द्वारा मापनकर्ता किसी वस्तु की माप के लिए एक, कभीकृत या अंक निर्देशित पैमाने पर उसका स्थान निर्धारित करता है जैसे - किसी गंध के माप के लिए एक दस बिन्दु का मापनी इस प्रकार होगा।



1. समानता मानोवैज्ञानिक मापनी - उद्देश्य तथा विधियाँ